भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

13.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2507 का उत्तर

नंदलूरू रेलवे स्टेशन का पुनरुद्धार और उपलब्ध रेलवे भूमि का उपयोग

2507 श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि मुंबई-चेन्नई मार्ग पर रेणिगुंटा-कडप्पा खंड में अवस्थित नंदलूरू रेलवे स्टेशन, चेय्येरु नदी से उपलब्ध स्वच्छ सतही जल के कारण पहले एक लोको शेड और जल आपूर्ति केंद्र के साथ एक इंटरचेंजिंग जंक्शन के रूप में कार्य करता था;

(ख) क्या यह सच है कि नंदलूरू में 170 एकड़ खाली रेलवे भूमि उपलब्ध है; और

(ग) क्या सरकार, विशेष रूप से गुंतकल और रेणिगुंटा मंडलों की वर्तमान में बोरवेल के पानी पर निर्भरता को देखते हुए, वहां रेलवे परिचालन को फिर से शुरू करने का विचार रखती है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): नंदलूरू स्टेशन गुंतकल मंडल के रेणिगुंटा-कड़प्पा खंड पर पहले से ही कार्यशील एक रेलवे स्टेशन है। इस स्टेशन पर पहले एक भाप रेलइंजन शेड कार्यरत था, जो संपूर्ण भारतीय रेल में भाप इंजन से अधिक कुशल विद्युत कर्षण में परिवर्तित होने को ध्यान में रखते हुए अब इसकी आवश्यकता नहीं है। यह कोई अंतर्बदल जंक्शन नहीं है क्योंकि इस स्टेशन पर किसी भी लाइन का कोई मार्ग परिवर्तन नहीं है।

वर्तमान में, नंदलूरू में 24.36 एकड़ रिक्त रेल भूमि उपलब्ध है। रेलवे के पास उपलब्ध भूमि का उपयोग बहुपथन, माल टर्मिनल, अनुरक्षण सुविधाओं आदि जैसी संरचना के संवर्धन और निर्माण के लिए किया जाता है, जिसमें परिचालन की जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है।

*****